नारीवादी विचारधारा एक आधुनिक विचारधारा है जिसका उदय द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुआ यद्यपि इसका आधार पहले से ही मैरी वोल्सटन क्राफ्ट और J.S. Mill के विचार में पाया जाता है

2)

नारीवाद और अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

नारीवाद का उदारवादी दृष्टिकोण –

नारीवादी विचारधारा के अनुसार महिलाओं की संख्या सैन्य व्यवस्था मे बढ़ाकर राष्ट्रीय शक्ति मे वृद्धि की जा सकती है। निर्णय निर्माण के प्रत्येक चरण मे महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि पुरुष राजनेताओं की भाँति महिलाये भी निर्णय लेने मे सक्षम एवं दक्ष होती है अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक राज्य का कार्य अधिक से अधिक शक्ति प्राप्त करना है इसी लिए जनसंख्या के आधे भाग को राष्ट्रीय शक्ति का अंश बनाकर समूचे राष्ट्रीय शक्ति मे वृद्धि सम्भव है। अमरीकी सैन्य व्यवस्था में 2 लाख महिला सैनिक हैं जो अमरीका की कुल सेना का 14% भाग है जिन देशों में महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व अत्यधिक बेहतर है वे विकसित देश हैं जैसे स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैण्ड, हालैण्ड, नार्वे। क्यूबा एवं रवांडा जैसे विकासशील देश तथा अन्य देशों मे वियतनाम, इंग्लैण्ड और चीन हैं, अमरीका जैसे सर्वाधिक शक्तिशाली देश में राष्ट्रीय संसद मे महिलाओं का प्रतिनिधित्व केवल 17.9%

है जबकि रूस और जापान जैसे देशों में यह प्रतिशत क्रमशः 9.8 तथा 7.1 % है.

अतः अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में सामान्यतः पुरुषों का ही प्रभुत्व है. इसका मूल कारण समाज में पितृसत्तात्मक सत्ता है और जिन देशों में पितृसत्तात्मक सत्ता का ह्रास हो रहा है वहाँ महिलाओं के प्रतिनिधित्व में वृद्धि हो रही है.

सैन्य व्यवस्था में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को केवल कुछ ही क्षेत्रों में सीमित नहीं किया जा सकता. जैसे महिलाओं को मूलतः नर्सिंग और टाइपिस्ट जैसे कार्य दिये जाते हैं इसलिए वर्तमान समय में महिलाओं को पायलट जैसी सेवाएँ भी प्रदान करनी चाहिए और अमरीका में अभी भी महिलाओं की तैनाती पनडुब्बियों में नहीं होती और न ही युद्धक पैदल सेनाओं में, 1990 के खाड़ी संकट में महिलाओं ने भी युद्ध में भागीदारी की. और हजारों महिला सैनिकों में 13 युद्ध में मारी गयी.

पूरे विश्व में राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष नये संकट उत्पन्न हो रहे हैं और संयुक्त राष्ट्र संघ में सहस्राब्दी लक्ष्य के अन्तर्गत विकास, गरीबी निवारण, सार्वभौमिक शिक्षा को प्राथमिकता प्रदान की जा रही

Scanned with CamScanner

है और बिना महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के विकास सम्भव नही है अत: विकास के केन्द्र में महिलाएँ है और उदारवादी विचारकों के अनुसार पुरुष और महिलाओं में बौद्धिक योग्यता समान होती है इसलिए कूटनीतिक क्षेत्र एवं सैन्य क्षेत्र में और नीति निर्माण के क्षेत्र मे उन्हे समान भागीदारी प्रदान की जानी चाहिए.

राष्ट्र, लिंग और शक्ति

वस्तुत: राष्ट्र की संकल्पना महिलाओं के साथ सम्बन्धित की जाती है इसीलिए इराक द्वारा कुवैत पर आक्रमण को कुवैत के साथ बलात्कार की संज्ञा दी गयी और नागरिक पुत्रों का यह कर्तव्य है कि वे अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए और उसके गौरव के लिए संघर्ष करे जब कि राज्य को पुरुषों के साथ जोड़ा जाता है और राज्य के पास सर्वोच्च वैधानिक शक्ति होती है जिसके द्वारा युद्ध में हिंसा का प्रयोग किया जाता है अत: अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में परम्परागत रूप में महिलाओं को सामाजिक पुनरोत्पादन का यन्त्र और संस्कृति का संवाहक माना जाता है.

आमूलवादी नारीवादी दृष्टिकोण

आमूलवादी नारीवादियों के अनुसार यथार्थवादी सिद्धान्त पर

Scanned with CamScanner

पूर्णतया पितृसत्तात्मक प्रभुत्ववादी है क्योंकि यथार्थवादी सिद्धान्त में सम्प्रभुता, स्वायत्तता पर ज्यादा बल प्रदान किया जाता है अतः नारीवादियों के अनुसार स्वायत्तता पुरुषों का मूल गुण है क्योंकि पुरुष अपने पालक से अपनी भिन्नता स्थापित करता है जबकि महिलाएँ पालक के प्रति तादात्म्य (समानता) स्थापित करती हैं अतः पुरुषों का जोर स्वायत्तता पर होता है तथा महिलाओं की प्रवृत्ति सम्बन्ध बनाने की होती है अतः महिलाओं के लिए स्नेह एवं देखभाल जैसे गुण प्राथमिकता प्रदान करती है इसलिए सामाजिक सम्बन्धों में पुरुष शीघ्र गिनती करते है और उसे भंग भी करते हैं जब कि महिलाएँ तुलनात्मक रूप में सम्बन्धों को बनाये रखने पर बल प्रदान करती हैं लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में महिलाओं के इन गुणों को कभी प्राथमिकता प्राप्त नहीं हुई क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति वाह्य जीवन का क्षेत्र है और महिलाओं को केवल घरेलू जीवन तक सीमित कर दिया गया है

अतः यथार्थवादी सिद्धान्त मूलतः पुरुषवादी है यथार्थवाद की मूल मान्यता के अनुसार

Scanned with CamScanner

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में संघर्ष शाश्वत है क्योंकि मानव का मूल स्वभाव ही निरन्तर शक्ति प्राप्त करने के लिए अग्रसर होता है इसलिए यथार्थवादी जिस मानव स्वभाव का वर्णन करते हैं वह पुरुषवादी मानव स्वभाव है न कि सम्पूर्ण मानवता का स्वभाव। इस लिए नारीवादियों के अनुसार महिलाएँ संघर्ष की बजाए अन्तर्निर्भरता पर बल देती हैं इसलिए यथार्थवादी व्याख्या आंशिक एवं अपूर्ण है।

नारीवादियों के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में युद्ध का मूल कारण पितृसत्तात्मक सत्ता का शासन है अतः यदि पुरुषों की बजाए महिलाएँ शासन करे तो दुनिया अत्याधिक शान्तिपूर्ण होगी। एक राज्य द्वारा दूसरे राज्य पर आक्रमण नहीं होगा और किसी राज्य की क्षेत्रीय सम्प्रभुता का उल्लंघन नहीं होगा अतः महिलाओं के कारण अन्तर्सष्ट्रीय राजनीति की प्रकृति में परिवर्तन हो जाएगा।

व्यावहारिक रूप में यह मान्यता सत्य प्रतीत नहीं होती क्योंकि महिलाओं के शासन के दौरान भी युद्ध हुए हैं जिसमें ब्रिटेन द्वारा अर्जेण्टीना पर आक्रमण, श्रीमती इन्दिरा गाँधी द्वारा पाकिस्तान के आक्रमण के विरुद्ध शक्तिशाली आक्रमण करना इस

Scanned with CamScanner

मान्यता को सिद्ध करते है कि महिलाओं के आने
मात्र से अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की प्रकृति पूर्णतः
परिवर्तित नहीं होगी इसलिए निष्कर्ष रूप में कहा
जा सकता है कि उदारवादी मान्यता ज्यादा व्यावहारिक
एवं प्रासंगिक है जिसके अनुसार महिलाओं को भागीदारी
से राष्ट्रीय शक्ति में वृद्धि होगी न कि अन्तर्राष्ट्रीय
राजनीति की प्रकृति परिवर्तित होगी उदा० के लिए
श्रीमती इन्दिरा गाँधी, बेनजीर भुट्टो, मारग्रेट थैचर,
श्रीमाओ भण्डारनायके, कोंडालिजा राइस जैसी महिलाओं
ने अपने देश का प्रभावशाली नेतृत्व किया जिससे
यह सिद्ध है कि महिलाओं में नेतृत्व क्षमता पुरुषों
से कम नहीं होगी।

Scanned with CamScanner